



Regional Institute of Education, NCERT, Ajmer

Swachhta Pakhwada 2021

(1st September 2021 to 15th September 2021)

As we all know “Health is Wealth”, taking care of this proverb and by following the guidelines of Ministry of Education, Government of India, and “Swachhta Pakhwada” was organized in the Institute. In this regard, a meeting was held on September 3, 2021 to facilitate basic information about the activities to be organized under the Swachhta Pakhwada in the school as well as Institute campus.

A brief information regarding the activities is as follows:-

Sr. No.	Name of the activity	School/Institute	Date	No. of participants
1.	Slogan writing	DMS, Ajmer	4.9.2021	02
2.	Poster making	DMS, Ajmer	5.9.2021	13
3.	Poetry recitation	DMS & RIE Ajmer	6.9.2021	05
4.	Essay writing competition	RIE, Ajmer	7.9.2021	17
		DMS, Ajmer	7.9.2021	5
5.	Hand wash and personal hygiene	DMS, Ajmer	8.9.2021 & 9.9.2021	Students of Class 9A & 9B
		Primary Section (DMS, Ajmer)	8.9.2021 & 9.9.2021	Students of Class 1 to 5
6.	Safai Abhiyaan	RIE campus	10.9.2021	All staff members
7	Photo uploads	Studio RIE Ajmer	11.9.2021 & 12.9.2021	Students and staff of DMS & RIE Ajmer
8.	Awareness related activity on personal level	DMS & RIE Ajmer	13.9.2021 14.9.2021	Students of DMS & RIE Ajmer
9.	Preparation of e- certificates	DMS & RIE Ajmer	13.9.2021 & 14.9.2021	For all the participants

contd.....2

Several activities including slogan writing, poster making, poem recitation, essay writing competition, hand wash and personal hygiene, Safai Abhiyan, awareness related activity on personal level and preparation e-certificates have been conducted under the Swachta Pakhwada 2021. These activities have been conducive for the holistic development of students who will try to create a better society because the young learners are the pillars of a society. The participants have shown enthusiasm and interest for all such activities which have assisted them to know about cleanliness and tidiness. Such activities made them understand about the relevance of health and hygiene in day-to-day life. It enabled them for leading an opulent life along with maintaining the rule for health and hygiene. These activities have been successful to inculcate interest and cognizance among them.

Organising Committee

1. Prof. S. V. Sharma	Principal
2. Prof. Rajesh Mishra	Dean of Instructions
3. Dr. Ram Niwas	Chairman
4. Dr. O. P. Meena	Member
5. Dr. Ranjana Nagar	Member
6. Dr. Priyanka Chaturvedi	Member
7. Sh. Babu Lal Mali	Member
8. Sh. Shyam Lal Meena	Member
9. Sh. K. C. Meena	Member
10. Dr. Vinit Kumar Sharma	Member
11. Sh. Abhishek Bhardwaj	Member
12. Shri Prem Chand Gahlot	Member
13. Sh. Jagdish Prasad Verma	Convener

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर
परिपत्र

30 AUG 2022

दिनांक:-30.08.2022

फा.स्वच्छ भारत मिशन/2022/2949

संस्थान में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन दिनांक 01.09.2022 से 15.09.2022 तक आयोजित किया जाना है जो कि निम्न प्रकार है :-

Swachhata Shapath days

दिनांक - 01.09.2022

1. प्रातः 10.00 बजे कॉलेज छात्र-छात्राएँ, विद्यालय छात्र-छात्राएँ एवं समस्त स्टाफ संस्थान भवन के सामने पोर्च में शपथ एवं रैली हेतु एकत्रित होंगे। रैली का थीम "Single Use Plastic Free Campus" रहेगा। यह रैली एवं स्वच्छता शपथ डॉ. ए.के. नैनावत, डॉ.वी.पी.आर्य, डॉ.ओ.पी.मीणा, डॉ.मीनाक्षी मीणा, श्री प्रेम चंद गहलोत, सुश्री अंकिता साँखला, सुश्री प्रतिभा कुमारी एवं श्री मनीष अग्रवाल के द्वारा पूर्ण करवायी जाएगी।
2. 6 X 4 फुट के 03 बिना स्टैंड एवं 03 स्टैंड सहित फ्लेक्स बेनर बनाए जाने हैं यह कार्य परिसर एवं कल्याण शाखा द्वारा किया जाना है।
3. संस्थान में सभी जगह कूड़ादान (नीले एवं हरे) लगाने का कार्य परिसर एवं कल्याण शाखा द्वारा किया जाना है।

Swachhata Awareness days

दिनांक - 02.09.2022

1. डी.एम.स्कूल में Cleaning Campaign का कार्य श्री एस.टी.सिंह, डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी एवं श्री अभिषेक भारद्वाज के मार्गदर्शन में सम्पन्न कराया जाएगा।
2. संस्थान भवन में Cleaning Campaign का कार्य डॉ.राजीव रंजन, डॉ. विनित कुमार शर्मा, सुश्री दुर्गा कडैल, सुश्री सुमन सिंह, श्री प्रेम चंद गहलोत, केयरटेकर, श्री बृजेश कुमार द्वारा सम्पन्न कराया जाएगा।
3. संस्थान में Weeding Out Files का कार्य स्थापना शाखा द्वारा किया जायेगा एवं Disposal of Old damage broken furniture का कार्य परिसर एवं कल्याण शाखा द्वारा कराया जाएगा।
4. संस्थान, स्कूल एवं छात्रावास में सेनेट्री पेड डिस्पोजल मशीन लगाने का कार्य परिसर एवं कल्याण शाखा द्वारा किया जाना है।

Community Outreach Day

दिनांक – 03.09.2022 एवं 04.09.2022

1. संस्थान के समस्त छात्रावासों संस्थान परिसर, स्कूल परिसर में समस्त स्टाफ, चीफ वार्डन, डिप्टी चीफ वार्डन, समस्त सहायक वार्डन, समस्त छात्रावास क्लर्क, श्री भगवती प्रसाद एवं केयरटेकर के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के साथ मिलकर प्रातः 9.00 बजे से 12.00 बजे तक सफाई का कार्य करेंगे।
2. Single Use Plastic Free Campus के साईन बोर्ड के लिए सी.पी.डब्लू.डी को एक पत्र परिसर एवं कल्याण शाखा द्वारा भिजवाया जाएगा।
3. संस्थान में कोविड-19 की बूस्टर डोज कैंप लगावाने के लिए सी.एम.एच.ओ को पत्र प्रेषित किया जायेगा। यह कार्य श्री राजेश शर्मा द्वारा किया जायेगा।

Green School Drive Day

दिनांक – 05.09.2022

1. संस्थान के डी.एम.स्कूल में Personal Hygiene Day मनाने एवं स्लोगन, पोस्टर कम्पीटिशन थीम "Eliminating Single Use Plastic & Water Conservation" पर करवाने का कार्य डी.एम.स्कूल के श्री एस.टी.सिंह, डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी एवं श्री अभिषेक भारद्वाज के मार्गदर्शन में करवाया जायेगा।

Swachhata Participation days

दिनांक – 06.09.2022 एवं 07.09.2022

1. संस्थान में Painting & Poem प्रतियोगिता थीम (Water Conservation & Eliminating single use plastic or Adhering of 3-R(Reduce, Reuse and Recycle) एवं निबंध लेखन/पत्र लेखन प्रतियोगिता थीम " Water Conservation & Eliminating single use plastic" पर करवाने का कार्य डॉ.वी.पी.आर्य, डॉ. मुजम्मिल हसन, डॉ.स्नेह सुधा, डॉ. राणा प्रताप, सुश्री वृन्दा प्रकाश, सुश्री इब्राहिमा हनीफ, सुश्री श्वेता सेल्फर, श्री जयन्त निहार, श्री कृष्ण प्रसाद सिंह, के मार्गदर्शन में करवाया जायेगा।

Hand Wash Day

दिनांक – 08.09.2022 एवं 09.09.2022

1. डी.एम.स्कूल में Awareness on the need for proper hand wash in daily life का कार्य श्री एस.टी.सिंह, डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी एवं श्री अभिषेक भारद्वाज के मार्गदर्शन में करवाया जायेगा।
2. संस्थान में NCC Student will perform activities an awareness of cleaning, Covid Guidelines एवं पाइथेरियम घास को साफ करवाने का कार्य डॉ.ए.के.नैनावत, एनसीसी ऑफिसर, डॉ. विनित कुमार शर्मा, श्री बृजेश कुमार यादव, सुश्री गरिमा कुमावत, श्री रंजन कुमार सिंह, सुश्री तनु कुमारी के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

Personal Hygiene Days

दिनांक – 10.09.2022 एवं 11.09.2022

1. डी.एम.स्कूल में Awareness of proper teeth cleaning twice a day, nails clean, daily bathing, wearing clean cloth, no piling in open area ,wearing shoes/slippers etc. का कार्य श्री एस.टी.सिंह , डॉ प्रियंका चतुर्वेदी एवं श्री अभिषेक भारद्वाज के निर्देशन में कराया जाएगा।
2. संस्थान के समस्त छात्रावासों में छात्र-छात्राओं के cleaning activities का कार्य चीफ वार्डन, डिप्टी चीफ वार्डन, समस्त वार्डन, समस्त छात्रावास क्लर्क, श्री भगवती प्रसाद एवं केयरटेकर के निर्देशन में कराया जाएगा।

Swachhata Action plan days

दिनांक – 12.09.2022 एवं 13.09.2022

1. डी.एम.स्कूल में **Swachhata Action plan** का कार्य श्री एस.टी.सिंह , डॉ प्रियंका चतुर्वेदी एवं श्री अभिषेक भारद्वाज के निर्देशन में करवाया जाएगा, साथ ही बच्चों से स्वच्छता पखवाडे के बारे सुझाव लेने हेतु उन्हें प्रेरित किया जाएगा।
2. संस्थान में सभी जगह सफाई का कार्य पुनः करवाया जायेगा साथ ही बच्चों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जायेगा। यह कार्य डॉ. राजीव रंजन, डॉ मुजम्मिल हसन, डॉ.विनित कुमार शर्मा, श्री जीजो वर्गिस, श्री नीरज ढोलिया, श्री विष्णु कुमार, डॉ सुनीता, सुश्री सुमन सिंह, सुश्री सुभा गुप्ता एवं केयरटेकर, के निर्देशन में कराया जाएगा।

Swachhata School Exhibition day

दिनांक – 14.09.2022

1. संस्थान के बैडमिंटन हॉल/असेम्बली हॉल में पूरे पखवाडे में तैयार किए गए फोटोग्राफ, पेंटिंग ,कार्टून, स्लोगन, कविताएँ ,निबंध, पत्र की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। यह कार्य डॉ.ओ.पी.मीणा, डॉ.वी.पी.आर्य, डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी, श्री अभिषेक भारद्वाज , सुश्री अम्बिका गहलोत, सुश्री भावना, सुश्री वृंदा प्रकाश ,सुश्री शिवानी पाराशर , श्री मनीष अग्रवाल , श्री बृजेश कुमार एवं केयरटेकर के निर्देशन में कराया जाएगा साथ ही समिति प्रतियोगिता के परिणाम तैयार करेगी।

Prize Distribution day

दिनांक - 15.09.2022

1. संस्थान के कक्ष सं 102 में प्रातः 11.00 बजे से 1.00 बजे तक पूरे स्वच्छता पखवाड़े में जिन छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है उन्हें पुरस्कार वितरण का कार्य प्राचार्य महोदय, अधिष्ठाता महोदय, विभागाध्यक्ष, प्रधानाध्यापक, उपप्रधानाध्यापक के करकमलों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य डॉ.ए.के.नैनावत, डॉ.ओ.पी.मीणा, डॉ. वी.पी.आर्य, डॉ.मीनाक्षी मीणा, डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी, श्री अभिषेक भारद्वाज, डॉ. विनित कुमार शर्मा, सुश्री अम्बिका गहलोत, सुश्री पूजा त्रिपाठी, सुश्री शिवानी पाराशर एवं श्री मनीष अग्रवाल द्वारा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन करवाया जाएगा।
2. Preparation all report & photographs upload on the Institute website का कार्य प्रो. राम बाबू पारीक, डॉ.वी.पी.आर्य, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी, श्री अभिषेक भारद्वाज, श्री राजेश शर्मा, श्री मनीष अग्रवाल, सुश्री अंकिता साँखला, डॉ. काशिफा खान, सुश्री प्रिन्सी टॉक, सुश्री रेणू जाँगिड़ के नेतृत्व में किया जाएगा।
3. दिनांक 01.09.2022 से 15.09.2022 तक फोटोग्राफी, पी.ए.सिस्टम, माईक व्यवस्था का कार्य स्टूडियो स्टाफ एवं श्री राजेश शर्मा द्वारा प्रो. राम बाबू पारीक के निर्देशानुसार करेंगे।

यह सक्षम अधिकारी की अनुमति से जारी किया जाता है।

(डॉ. रामनिवास) 30.8.22

अध्यक्ष - स्वच्छता पखवाड़ा

प्रतिलिपी:-

1. अधिष्ठाता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
2. सभी विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
3. उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
4. प्रधानाध्यापक / उपप्रधानाध्यापक / इंचार्ज प्राईमरी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
5. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
6. चीफ वार्डन / डिप्टी चीफ वार्डन, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
7. एन.सी.सी. ऑफिसर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
8. समस्त वार्डन, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
9. समस्त सहायक वार्डन, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
10. चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
11. स.का.स (प्राचार्य कार्यालय), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
12. लेखाधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
13. अनुभाग अधिकारी / स्थापना / परिसर एवं कल्याण शाखा / क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
14. इंचार्ज शारीरिक शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
15. केयरटेकर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
16. सुरक्षा पर्यवेक्षक, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
17. समस्त छात्रावास क्लर्क, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर।
18. समस्त गतिविधि आयोजनकर्ता।
19. समस्त नोटिस बोर्ड

(डॉ. रामनिवास) 30.8.22

अध्यक्ष - स्वच्छता पखवाड़ा



ENVIRONMENTAL EDUCATION THEME PARK

Regional Institute of Education (RIE), NCERT, Ajmer

Rajasthan, India



Welcome to one of the most unique educational adventure at RIE, Ajmer. Here through environmental education theme park, we have designed a wide array of Eco smart programmes to expand learning experience beyond the boundaries of the classroom and into natural environment of Aravali range of Ajmer, Rajasthan. This is an opportunity for students, teachers and educators to enjoy natural beauty and outstanding 'living laboratory' (Environmental education theme park).



ABOUT THEME PARK

To promote environmental awareness through interactive way and to bring school children, youth and teachers to a forum where they can discuss their perspectives on the environmental issues, Regional Institute of Education, Ajmer maintained a theme park which is a part of PAC programme, namely "Environmental Education Theme Park for strengthening school education programme and training of school children for generating environmental awareness.



OBJECTIVES AND VISION

RIE, Ajmer is nurturing and ensuring excellence, quality and inclusive growth in school education and teacher education for the states and UTs of northern region i.e Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand, Chandigarh, Jammu, Kashmir and Ladakh. To attain learning about the environment, learning through the environment and learning for the environment, this programme has been undertaken with the following objectives:



To maintain the environmental education theme park that includes aquatic, desert and terrestrial ecosystem, a medicinal plant conservatory a centre for demonstration of rain water harvesting, conservation of water and soil, organic farming etc.



To enable the learners, teacher as facilitator, teacher educators and visitors to perform simple activities related to environmental education.

To educate teachers, learners and community of the need to conserve and protect the environment.

MEDICINAL PLANT ARBORETUM



Medicinal plants belong to the earliest known health care products that have been used by the mankind. In India, the earliest reference to the medicinal value of plant in Rigveda, in which brief reference to the healing property of plants has been made.

Most of the drug plants are found in the tropics, growing in wild condition and are mainly used by herb doctors and Ayurvedic Vaidyas, who refer to them as Jari-Butis.

We observed that in the absence of proper knowledge related to the identification of medicinal plants, many plants remained either unidentified or wrongly identified. As a result, many important and precious medicinal plants are often considered as weeds and disposed off as waste material. Wrong identification even lead towards more serious repercussions as there may be used wrongly in preparing medicines for which they are not recommended due to different chemical constituents and hence deprived of their actual user. In this programme, an attempt is made to fill the above identified gaps. It is our firm belief that this programme will be of immense use to Ayurvedic exports, teachers, students of botany, scientist, pharmacologist, pharmaceutical organisation and pharmacist etc



Some of the plants available in the terrestrial ecosystem are as follows:



1. **Common name** : Safed Aak
Botanical name : *Calotropis gigantea*
Family : Asclepiadaceae

Description of the plant: The milky juice of the stem is used in leprosy, taenia, dropsy, rheumatism etc. It is also used in typhus and syphilis. The dried latex is antispasmodic and an efficient nerve tonic. The latex also bears the properties of curing ringworm of scalp and reliving toothache.

2. **Common name** : Neem
Botanical name : *Azadirachta indica*
Family : *Maliaceae*

Description of the plant: Juice of leaves with honey or salt cures jaundice and intestinal worms. Decoction of fresh leaves is used in malarial fevers. External application of leaf-paste cures boils, ulcers, skin eruptions swellings and wounds. Mixed with camphor, the leaf juice is applied to fractures. Warm decoction of leaves is used as douche after childbirth.



3. **Common name** : Ashvagandha / Asgand
Botanical name : *Withania somnifera*
Family : *Solanaceae*

Description of the plant: The roots of this plant have been recommended for high cough and in female genetic disorder. It is also useful in all types of skin lesions, ulcers and in reducing pus formation. It is an important drug in the treatment of rheumatic pain, inflammation of joints and certain paralytic conditions. It is also known to stimulate sex impulses and improve sperms.

4. **Common name** : Sandal wood / Safed chandan
Botanical name : *Santalum album*
Family : *Santalaceae*

Description of the plant: The tree is a sedative and bears cooling effects. It is given to relieve thirst and with milk in gonorrhoea and bilious disorders. Mixed with rice and honey, it relieves dysentery and excessive thirst. The paste bears cooling effects and cures boils, sores and skin eruptions. The application of paste in also relieves headache.



5. **Common name** : Datura / Dhatoora
Botanical name : *Datura stramonium*
Family : *Solanaceae*

Description of the plant: Dried leaves of Datura smoked in pipes cure asthma, whooping cough and bronchitis. Juice of leaves with curd is given in gonorrhoea. A paste of leaves is a cure for swollen joints, inflammations and tumors. Fresh leaf juice is also used in mumps and gouts. Roasted leaves cure enlargement of testicles.

6. **Common name** : Curry leaves / Mitha neem
Botanical name : *Murraya koenigii*
Family : Rutaceae

Description of the plant: They are much valued as an antidiabetic, antioxidant, anti microbial, anti-inflammatory and hepato-protective. They also contain iron. Although most commonly used in curries, leaves from the curry tree can be used in many other dishes to add flavor.



7. **Common name** : Indian gooseberry / Amla
Botanical name : *Emblica officinalis*
Family : Euphorbiaceae

Description of the plant: The fruits are richest source of vitamin C and are considered to be a good liver tonic. The fruit is useful in the treatment of hemorrhage, leucorrhoea, menorrhagia, diarrhea, toothache, sores, fever, anemia, epilepsy, pimples, fistula, gonorrhoea and dysentery. The leaves are a cerebral and gastrointestinal tonic. The root bark is astringent and is useful in ulcer.

8. **Common name** : Patharchatta
Botanical name : *Bryophyllum pinnatum*
Family : Crassulaceae

Description of the plant: Chew two fresh leaves along with black pepper on an empty stomach for the treatment of kidney stones. Plant paste is applied on forehead to alleviate headache, leaf paste is applied externally to cure cuts and wounds. Fresh sap of plant is used for eye diseases. The juice effectively knocks out Staphylococcus and Escherichia coli.



9. **Common name** : Gheekanvar / Aloe / Kumari
Botanical name : *Aloevera*
Family : Asphodelaceae

Description of the plant: Fresh aloe gel is well known for its domestic medicinal value. The gel has the property of relieving thermal burns and sunburn, as well as promoting wound healing; it also has moisturizing and emollient purposes.

10. **Common name** : Anar / Pomegranate
Botanical name : *Punica granatum*
Family : Lythraceae

Description of the plant: The pomegranate is a shrub, usually with multiple stems. It has beautiful orange-red trumpet shaped flowers with ruffled petals. The fruit is brownish yellow or red berry with a sweet edible pulp surrounding each seed. The pulp is juicy and refreshing.

Its fruit juice makes an excellent drink, which contains potassium, phosphorous, and calcium as well as micronutrients like iron, manganese, zinc and copper. The juice stimulates appetite and is used in treatment of stomach disorders.



11. **Common name** : Anjeer / Common fig
Botanical name : *Ficus carica*
Family : Moraceae

Description of the plant: Anjeer is a beautiful small tree with an interesting spreading habit. The bark is a smooth, silvery grey. The species name carica means having papaya-like leaves. The fruit is a fleshy hollow syconus with a narrow aperture at the tip. They are used

fresh as well as dried. Fresh figs are preserved and canned. Figs have a definite laxative property and are good for digestion.

12. **Common name** : Guggal
Botanical name : *Commiphora wightii*
Family : Burseraceae

Description of the plant: It is a small tree, reaching a maximum height of 4 meter with thin papery bark the branches are thorny. The leaves are simple or trifoliate. It produces a resinous sap known as gum, called guggulipid, has been used in Ayurvedic medicine. The active ingredient in

the extract is the steroid gugguistone, which improves thyroid function, increases fat burning activity of the body. Guggul helps to lower cholesterol & triglycerides.



13. **Common name** : Kath Karanj
Botanical name : *Caesalpinia bonduc*
Family : Fabaceae

Description of the plant: It is large shrub. Bearing unusual pinnate leaves with viciously spiny winged rachis (axis that bears the leaflets) bearing 2-6 pairs of leaflets. The small yellow flowers are set close to the branches in small irregular lateral clusters, which ultimately form small capsules, which split to reveal the glossy black to dark red seed. Best grown in full sun to part shade, in a well draining soil. Twigs used to clean teeth, while the seed are ground as a condiment, as well as many other uses.



14. **Common name** : Papaya / Papita
Botanical name : *Carica papaya*
Family : Caricaceae

Description of the plant: Papaya as fruit is a rich source of nutrients such as provitamin A, carotenoids, vitamin B and C, dietary minerals and dietary fiber. It has a relatively high amount of pectin, which can be used to make jellies. Papayas leaves are made in to tea as a treatment for malaria. Papaya fruit and the trees latex are rich in papin, a protease used for tenderizing meat and other proteins. Papin is also applied topically for the treatment of cuts, rashes, stings and burns.

15. **Common name** : Gular / Uman/ Udimbara
Botanical name : *Ficus racemosa*
Family : Urticaceae (Moraceae)

Description of the plant: Roots are useful in hydrophobia. Fruits are astringent to bowels, styptic, tonic and useful in the treatment of leucorrhoea, blood disorders, burning sensation, fatigue, urinary discharges, leprosy and intestinal worms. Bark is useful in asthma and piles. Latex is applied externally on chronic infected wounds to alleviate pain and promote the healing.



ROSE GARDEN

Rose, one of the wild or cultivated flowering shrubs of *Rosa*, a genus of between 100-200 species, about 80% of which are native to Asia, 15% to America and the remaining are mainly natives of Europe and northeast of Asia. The rose flower has been closely associated with the culture of many

civilization. Not only it is a favourite flower, but it also serves as symbol of perfection, elegance, romance and love. Rose itself occupies a significant role in Ajmer. A large amount of rose flower is consumed or rather utilized by devotees daily at Pushkar and Dargah Sharif in Ajmer. Gulkand (A sweet preparation with Rose petals has very good medicinal properties), Gulabjal (Rose water), Itra (Natural Perfume prepared with rose thalamus), Dhup and Agarbatti also prepared from rose flower. Keeping this view in mind we have developed a beautiful rose garden having scented local rose varieties & large number of grafted varieties.



PLANT SIGNAGES



Plant signages are very much useful for study plant diversity. We have created signages for different plant available in Ajmer as well as a large number of aromatic & medicinal plants. These signages can also be handy if somebody working on plant taxonomy or educational display garden with limited budget.

ACHIEVEMENTS

One of the major outcomes of this programme is Prakriti Mela, a two days mega event is being organized by the Institute. The objective of this two days mega event is to strengthen environmental education and to bring school children, youth and teachers together in an interactive forum to promote environmental awareness. The programme aims at involving the network of Eco-Clubs. Prakriti mela is a platform for teachers and learners from schools to participate and showcase the work done in the area of environmental education and sustainability, centre for demonstration of rain water harvesting, conservation of water and soil, organic farming etc. The participants show an example of engaging students in project based learning related to environment.

Institute acknowledges the contribution of Prof. B. Barthakur, Principal NERIE, Shillong for his insight in the previous version of the brochure.

Contact Details

Principal

Prof. S.V. Sharma
RIE, NCERT, Ajmer
Rajasthan
email: principalrieajmer@gmail.com

Programme Coordinators

Prof. P.K. Chaurasia
Head DESM, RIE, Ajmer
Rajasthan
email: desm_rieajmer@rediffmail.com

Mr. O.P. Meena

Assistant Professor, Chemistry
RIE, Ajmer, Rajasthan
email: desm_rieajmer@rediffmail.com